



Page 1 of 2
744-086-166 Date 11/01/11

Digitized by srujanika@gmail.com 24/01/2019 (2)

३८५) १२. विवरण

Digitized by srujanika@gmail.com

ME 40198C

Digitized by srujanika@gmail.com

અધ્યાત્મ માર્ગ સંપૂર્ણ

କାନ୍ତିର ପାଦରେ ଶବ୍ଦରେ ପାଦରେ
ପାଦରେ ଶବ୍ଦରେ କାନ୍ତିର ପାଦରେ

— 64 —

प्रत्युत वाद पाकी महाराजा हरिहरन्दु बहानिएवं अमिति दृश्या
किए हारिहरन्दु लिखते हुए कल्पना भिंडी संग्रह किए चौथा वाद
हो गया है। इसकी पाता-३० राजस्व दिनें १५/३/२०१७ से हैं।
जाबिथन के ताप हंसिथ डिल गया वि शुक्रवार तिथा-१८०/०.७५९० दो
ताप गीरकें परन्ता जली तल्लीन, सवाडपुर किए हारिहरन्दु के संकुल भी-
मती गलत हाथी जलनी स्वीकृत्यान लिए त जीरके पात भिंडे शुक्रवार तिथा
लिए हैं। वादी के उपरोक्त शुक्रवार के शुक्र ग्रातिष्ठ तथा उप शुक्र-ए-किया-
पित दरबा लिया। किया-ए के आपार पर वादी उपरोक्त शुक्रवार का संकुल
वाल्ला है। वादी के उपरोक्त शुक्रवार पर उसका वरदान जै शुक्रवार न होने
के परती वादी है। उपरोक्त शुक्रवार का प्रदोग शुक्र, जलनानी आपा शुक्रवार,
गलत वालन, शुक्रवार वालन जाकी के लिए नहीं कर रहा है। वादी दूजा उप-
रोक्त वर्धित शुक्रवार का प्रदोग शुक्र है अतः उपरोक्त लिए लोगा, जिसके
उल्लंघन किए आवास आये हैं लिए लोगा। इस तरहों को ग्रीष्मित करते
हुए शुक्रवार तिथा-१८०/०.७५९० दो विधित द्वाम गीरकें हो इन्हिं शुक्र
पोषित लिए राने ही दृश्या भी यदी है।

आदी दूसरा बाद अप्र. ३०-३१, ३२५/-४० रुपालान संख्या-२९२३ यर
दिनांक १५/३/२०१९ को जमा करना किया गया तथा बात चलते हुए उत्तर
दूसरा अपा किया गया। तत्कालीन बाद फैसला कर लिया गया है, ताकि अप्रूप
की आवश्यकता नहीं रहेगी। तत्कालीन बाद, जब अप्रूप
की आवश्यकता नहीं रहेगी। परन्तु याती लक्ष्य, तभी छलकूर जिस
हस्तोई की वर्तमान वर्तीनी आता संख्या-३२१ गाडा है-१८०/०. ७५७० है।
की आदी दूसरा अधिकारी रुपालान संख्या-२९२३ तिथि-
मिहू अप्रूप किया जैवाकाद दूसरा ब्राह्मणीया गया है। अपरीक्षत शुभ
पर दिन संख्यान संख्या पित करने के द्वारा इसे अकृष्ण घोषित करना चाहता है।
उपरीक्षत मूलि अर्द्धनगरीय होने की है ज्या राज्यीय अपसान से जिनी हुई है।
उक्त गाडा है-३०-३१, ३२५/-४० रुपालिये परती है तथा बंजर/वाहौ दे-४० पर दिनां
की है। अधिकारी नाम नहीं है एवं उक्त गाडा उन गया है, जिस पर टीका लेने पड़ा है।

उक्त दृष्टि की वास्तुविचार का कार्ड उनपर हो जाएगी है। उक्त दृष्टि-भाव
दृष्टि कार्ड, वायपानी, मत्तम, मुख्य पात्र, मुख्य पात्र आदि के उपरोक्त में पहली
तात्परा जा रहा है। उक्त गायत्री शंखा तो दृष्टि द्वारा जारी हो दिया जा
रहा है अब भिन्न-भाधिन है। उक्त में उक्त गायत्री शंखा- 155/0, 1590 ले
टे दृष्टि द्वारा उक्त गायत्री शंखा की समी है।



खाखति का अनुदीनम् लिया गया। प्राचीनी पर उपलब्ध छात्र वर्तीनी
में 1425 से 1430 वर्ष की उम्र में १६०-२२० पर अँग्रेज गाड़ा १६०/
०.७३१० है० श्रीनीवासों कुपी रवीन्द्रनाथ लिंग निः इविल्लेगर कातोन
इन्द्रियों किंवा वीरमध्ये व वीरेन्द्रनाम लिंग तु वीरवक्षस लिंग निः वित्तीली
के नाम वल्लभप्रभों कुलिधर दर्शे हैं जहाँ लिंगराज कातम है गाड़ा १६०/०
१५९० है० के तीरेन्द्रनाम लिंग कुरुक्षेत्रधर्म लिंग निः वित्तीली व वृन्दवानी
मन्त्री रवीन्द्रनाम लिंग निः इविल्लेगर आवेदी चमदीही का नाम लिंगराज
का नाम गाड़ा इविल्लेगर लोकान्द लमिति दूष्य रा लचित इविल्लेगर लि-
वाही का नामलाल लिंगारो निः द्वयुर जिंवा वृष्णुशाश्वत का नाम दर्शे होने
का आवृद्ध दीक्षित है। इन लोकों उपरोक्त त्रृष्ण वर इष्टि आवृद्ध वामपानी,
महाम पातन, त्रृष्णुट पातन स होने के बारम त्रृष्ण योग्यता दीक्षित होने में कोई
विप्रिय अवधार नहीं होती है।

— 11 —

३४: ताज गौड़ेका परगता सातो तज्जील, तथा अज्ञान की बहुतीनी मन्
1425 से 1430 वर्ष की शास्त्र हीड़वा-२०० रुपया १८०/०.७३९० है।
पर उसी वालेकार भास्त्राचा इतिहास, भावाक्षिकाते तज्जीति दूधारा तदिव
इतिहास, दिल्ली दुर्ग २५० करोड़ लिंगारी यि० क्षेत्र जिस पूर्णांश
की भूमि हो अनुभिक्ष भूमि तो यित्त दिल्ली जाता है। परवाना अन्तर्राष्ट्रीय या
हो। आदेश वर्ष सब प्रति उप निष्ठा-पूर्व, तथा अज्ञान को केवी जाए। जाती =
अवधार, अर्थात् दीश विन अक्षर हो।

१८०० रुपयास्त्री, २०१९

१४१८/१९
। उपर आन सिंह ।
उम चिन्हफुरारी/अंतिम क्रौंच प्रथम ।
संकायपत्र ।

କୋଡ଼ିଙ୍ଗ ପାଇଁ ଲାଗୁ
ସୁମଧୁର
ପାଇଁ ଲାଗୁ



लाल भाई के टी. Page 1 of 2
प्रकाश निधि। दिन 4/10/2013
गोपनीय दो मात्र गोरखपुर रा. गांव नहाव
स्कॉलरशिप एवं बोर्डिंग
प्रोविन्स 500/-
अधिक 50 UPSC
द्वि टी.टी.2014/103/25/2015
एचडीए अधिकारी दो प्राचीन लेख
पढ़ एवं लिख देव. विज्ञान विषय
मिसाल विषय
06

मुख्यमंत्रीकृत यात्रा संख्या :- T2019103305010856
मुख्यमंत्री कृतिपूर्ण यात्रा संख्या :- अधिकृत यात्रा संख्या कृतिपूर्ण यात्रा संख्या :-
अधिकृत यात्रा :- BO, अधिकृतिकृत :- उत्तर औत्र यात्रा कृतिपूर्ण

ग्राम गौरखेड़ा परगना यासी तहसील भवायजपुर की खत्तौनी सन् 1425 से 1430 फटु की खाता संख्या 220 गाडा संख्या 180 / 0.7590 है पर अधिकतमांदार महाराजा एशियन्स महाविद्यालय समिति द्वारा तथित हरिश्चन्द्र तिवारी पुत्र स्वाधनदलल तिवारी निःबद्धपुर जिला फर्रुखाबाद की भूमि को अकृषिक भूमि घोषित किया जाता थांड झगल दरामढ परगना एक प्रति व्यापालय शाप्तस की जाये।

दिनांक - १५.८.१९

(उदयनान सिंह)
उप जिलाधिकारी / असियाकलेप्रबन्धम श्रीगी
तयाकरणम् ।

गुरुवार
२४/११/१९
सम्पादक
प्रसारक



卷之三

**प्राप्तिकरण : वर्षाविहारी
सालाना वर्षाविहारी अधिकारी को सौंपते हुए वर्षाविहारी वर्षाविहारी
का दस्तावेज़ 14065/7/2019**

Digitized by srujanika@gmail.com

2013-03-03-00037
2013-03-03-00037

**प्राचीन इतिहास विद्यालय कलेजी द्वारा आयोजित प्राचीनतर्माण शिक्षणी अवधारणा की प्राचीनतर्माण शिक्षणी
आयोजित थाएँ:- ८०, अदितीयम :- गुरु गोदावरी गंगाधार - २००६**

ੴ ਸਿਖਿਆ ਪੰਨਾ

वार्षीकी दूसरा वार्ष उद्यम ८०-२,४७२/-८० रुपयान संख्या-३२१६ पर
दिनांक १५/३/२०१९ की ज्ञा क्रमाना किया गया तथा वार्ष उद्यम हजार
दूसरा रुपया किया गया। तत्पश्चात् वार्ष पैदीहुत हर तत्त्वजीवार, हवा छपुर
की आवश्यकता के २३/३/२०१९ को लुब्जीलन किया गया। तत्पौत्रदार, हवा-
छपुर की जांडियासुलार, *झाम गोरखेहा परगना पाली तत्त्वजीवार, हवा छपुर किं
हरदोई की बत्तमान स्थानीयी जाता संख्या-१०६ पर ग्रंथित गांठा नंबर-२०५ मि
र्जाबा ०. २०६० है० के १/२ शुभ-धारण लेखक ०. १०३० है० पर बहाराजा हीरोड-
-इ महाविदानक समिति दूसरा लक्ष्य हरिहरन्द्र किंवदी कु रुप० नन्दलाल
निं० द्वयुर किंवदी काव्याकाव का नाम ग्रंथित है। उक्त ग्रंथ पर दीवाम का
निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे भाग लंबा हाइ के रूप में लगा है। उक्त गांठा
संख्या कुंभि कार्द, जागतानी, मन्त्रय पालन हुशुट पालन आदि शब्दों में ग्रंथीग
नहीं किया जा रहा है। उक्त गांठा संख्या और कृष्ण प्रणाली शार्द में लिया

या रहा है तथा निमायाधीन है। अन्त में गाठा संघा-205मि०/०, १०३० है० को अधिक घोषित किये जाने की जावया लक्ष्यन की गयी है।

फाकली का जलवीतन हिया गया। फाकली पर उपर्युक्त उद्देश बतानी छन् । १४२५ से १४३० वि० की बाता संघा-१८६ पर जकित गाठा संघा-205मि०/०, २०६० है० राजेन्द्र कुमार व राजेन्द्र कुमार कुण्डल लक्ष्यन तथा राजराजी पत्नी रामबहार के नाम ल०५०० के ३ पौर्ण वर्ष हैं तथा विवरण कालम में गाठा संघा-205मि०/०, २०६० है० के विहीनी राजराजी पत्नी रामबहार का नाम निरास भा भट्टाराजा हरिषचन्द्र महापितामह समिति द्वारा संविव हरिषचन्द्र लिखा ही बा नाम बताये जैनामा वर्ष होने वा आपेक्षा जकित है। गाठा गाठा संघा-205मि०/० के जट्ठा लेदार, राजेन्द्रकुमार व राजेन्द्र कुमार कुण्डल लक्ष्यन द्वारा अपार्यग्रहण भर पड़ा गया है १५ गाठा संघा-205मि०/०, १०३० है० को भट्टाराजा हरिष चन्द्र भट्टा भित्तामय समिति द्वारा संविव हरिषचन्द्र लिखा ही के लि भूषित किये जाने में उभय तस्त्वालेदारों को बोई आपौत्र नहीं है। उक्त ग्रन्थ पर कृषि कार्य, दागवानी, मत्तव्य पालन, कुश्कुट पालन आदि कार्य नहीं लिया जा रहा है। इस प्रकार उपरोक्त मुक्षण के १/२ भाग को अधिक घोषित किये जाने ३ में बोई विविध अद्वितीय नहीं होती है।

:- आपेक्ष :-

अतः गाम गोरखेड़ा परगना पाली जहजीर, भट्टारायपुर जिला हल्दीहड़ी बतानी १४२५ से १४३० वि० की बाता संघा-१८६ गाठा संघा-205मि०/०, २०६० है० + १/२ भाग एवा ०, १०३० है० पर जकित भट्टाराजा हरिषचन्द्र भट्टा भित्तामय समिति द्वारा संविव हरिषचन्द्र लिखा ही कुण्डल लक्ष्यन लिखा ही जिवासी द्वयुर जिला कुर्वियाधाद की गुमि दो अधिक गुमि घोषित किया जाता है। भरवानी अपार्यग्रहण जारी है। आपेक्षा की रक्षा प्रति उप निष्काल, तथा यज्ञपुर को भेजी जाये। फाकली जाए आवश्यक कार्यकारी वारिया दफूल हो।

दिनांक: ४ जून, २०१९

अधिकारी

उपर्युक्त

५२०५१

प्रमाणिक
ग्रन्थालय

०४६११९
उपर्युक्त ग्रन्थ
उप जिला पिलाई/डीसी० लौटर प्रधान १०,
तवायज्ञपुर ।

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ୧୫

નવીન પત્ર પેટો

五代十国

Page 5

Digitized by srujanika@gmail.com

ଏହିପରିମାଣରେ କାହାରଙ୍କିମାତ୍ରା ଯାଦିଲେବୁ
କାହାରଙ୍କି ଦୂର ନିର୍ମାଣ କରିବୁ ପରିଚାଳନା
କାହାରଙ୍କି କରିବୁ

三

मुख्य विषय : अधिकारीकरण

नियमित वार्षिक ग्रन्थालय अधिकारी, नवादोहला जिल्हापालक
क्रम संख्या :-00857/2019

单机号 : -00857/2019

Digitized by srujanika@gmail.com on 2-12-2019 10:33:30

मुख्यमंत्री नारेंद्र मोदी द्वारा जनरल एयरफोर्स के लिए अधिक संस्करण की घोषणा की गई।

मानसिक वर्तों- ८०, मानसिक चौंडा उद्योग समिति - २००६

प्रसादा अमरा दत्तायुद

गांव गीरखेड़ा परगना पासी तहसील सवायपुर की छतीमी तक 1425 से 1430 फ० की रातों संख्या 186 गाँड़ा संख्या 205मि०/०.2060 है० औं 1/2 मार्ग रक्खा ०.1030 है० पर अधिकत खासेदार महाराजा हरिहरनन्द महात्मागाली तमिलि द्वारा संयित डरिहरनन्द निवासी पुत्र रथेनन्दलाल निवासी शिथकपुर जिला कर्नाटकाद की भूमि को अकृषिक भूमि घोषित किया जाता है। बाद अमल दरिहरनन्द परवाना एक प्रती न्यायालय बापत रही जाते।

10

100

20

10

10

१५
कृष्ण
देवपाल (सिंह)

उप जिलाधिकारी / असियकलेप्पथम कोणी
तथा बजपूर।

119

卷之三

4

10 of 10

प्राचीन भारतीय